प्रेस विज्ञप्ति
18.2.2026

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलुरु आंचलिक कार्यालय ने मेसर्स विनज़ो प्राइवेट लिमिटेड की विदेशी शेल कंपनियों, अर्थात् मेसर्स विनज़ो यूएस इंक, यूएसए और मेसर्स विनज़ो एसजी प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर जिसका संचालन और नियंत्रण पावन नंदा और सुश्री सौम्या सिंह राठौर द्वारा किया जाता है, के नाम पर रखे गए विदेशी बैंक खातों में जमा 55.69 मिलियन अमेरिकी डॉलर **(लगभग 505 करोड़ रुपये)** की चल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है।

इससे पहले, ईडी ने 18/11/2025 को मेसर्स विन्ज़ो प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय परिसर और उसके निदेशक के आवासीय परिसर में तथा 30/12/2025 को उसकी लेखा फर्म में तलाशी और ज़ब्ती अभियान चलाया था। तलाशी और उसके बाद की जांच के दौरान मिले सबूतों से पता चला कि कंपनी आपराधिक गतिविधियों और बेईमानी भरी प्रथाओं में लिप्त थी, यानी ग्राहकों को यह बताए बिना कि वे असली पैसे वाले खेलों में इंसानों के साथ नहीं बल्कि बॉट्स/एआई/एल्गोरिदम/सॉफ्टवेयर (जिसे पीपीपी/ईपी/पर्सोना कहा जाता है) के साथ खेलवा रहे हैं, उन्हें बॉट्स/एआई/एल्गोरिदम के साथ खेलने के लिए मजबूर किया जा रहा था। विन्ज़ो ने मेसर्स विन्ज़ो प्राइवेट लिमिटेड के वॉलेट में ग्राहकों द्वारा जमा की गई धनराशि की निकासी को भी रोक दिया था/सीमित कर दिया था।

मेसर्स विन्ज़ो प्राइवेट लिमिटेड ने अपने विन्ज़ो ऐप पर बॉट्स द्वारा असली खिलाड़ियों के साथ खेले गए मैचों से 'रेक कमीशन' के रूप में अपराध की आय अर्जित की। इसके अलावा, बॉट्स का उपयोग करके और धनराशि निकालने पर प्रतिबंध लगाकर, उपयोगकर्ताओं को अधिक से अधिक मैच खेलने के लिए प्रेरित किया गया। इन परिस्थितियों में बार-बार गेम खेलने के माध्यम से, उपयोगकर्ताओं की जमा राशि को कंपनी द्वारा प्रत्येक मैच पर लगाए गए रेक कमीशन के रूप में धीरे-धीरे हड़प लिया गया। इस तंत्र के संचयी प्रभाव ने कंपनी को उपयोगकर्ताओं की जमा राशि को राजस्व यानी रेक कमीशन में व्यवस्थित रूप से परिवर्तित करने में सक्षम बनाया। इस प्रकार, वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 (22/08/2025 तक) के लिए **कंपनी ने कुल 3522.05 करोड़ रुपये की अपराध की आय प्राप्त की है।**

अब तक, ईडी ने इस मामले में लगभग 689 करोड़ रुपये की चल संपत्ति जब्त की है। इसके अलावा, अपराध से प्राप्त प्रत्यक्ष आय का एक हिस्सा विदेशी निवेश के बहाने भारत से अमेरिका और सिंगापुर ले जाया गया है। सभी परिचालन, दैनिक व्यावसायिक गतिविधियाँ और बैंक खातों का संचालन भारत से ही किया जाता है। हालांकि, 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर की धनराशि अमेरिका और सिंगापुर के उनके बैंक खातों में जमा है। इसके अलावा, 23/01/2026 को माननीय पीएमएलए विशेष न्यायालय, बेंगलुरु (सीसीएच-1) में एक अभियोग शिकायत दर्ज की गई है। **आज तक, इस मामले में जब्त/जमा की गई अपराध से प्राप्त कुल आय लगभग 1194 करोड़ रुपये है।**

आगे की जांच जारी है।